समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को साकार करें

सीएम ने कृषि वर्ष की कार्ययोजना की समत्व भवन में की समीक्षा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष-2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है. प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है.

इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को साकार किया जाए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार आगामी कृषि वर्ष के तहत कृषि और इससे जुड़े सहायक विषयों से संबंधित विभागों द्वारा तैयार की गई कार्य योजना की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान व्यक्त किए. इस दौरान वर्षभर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की गई. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि वर्ष-2026 में आरंभ की जा रही सभी गतिविधियां तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएं. किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए कृषि यंत्रीकरण, कृषकों के क्षमता

विकास के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, उद्यानिकी विस्तार, एफपीओ निर्माण आधारित गतिविधियों को प्रमुखता दी जाए. इसके साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ऋ ण की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए माइक्रो इरीगेशन, बेहतर बाजार नेटवर्क, किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य दिलवाने, पशुपालन तथा मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए कृषकों को प्रेरित करने जैसे प्रयास किए जाएं.

भोपाल में होगा इंटरनेशनल रोज कॉम्पीटिशन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में होने वाले गुलाब महोत्सव को पुष्प महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए. इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पादित होने वाले अन्य फूलों को भी शामिल किया जाए तथा सभी जिलों में फूलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाए. बैठक में बताया गया कि वर्ष-2028 का इंटरनेशनल रोज कॉम्पीटिशन भोपाल में होना प्रस्तावित है. यह भी बताया गया कि सिंहस्थ :2028 को देखते हुए उज्जैन जिले के 100 एकड़ क्षेत्र में फूलों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पराली निष्पादन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एफपीओ को दुग्ध उत्पादन गतिविधियों से भी जोड़ा जाए. बैठक में सहकारिता से कृषि क्षेत्र में आरंभ स्टार्ट अप को प्रोत्साहित करने की भी आवश्यकता बताई गई. बैठक में कृषि के तहत राज्य में होने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी प्रस्तुत की गई.

मंडियों को आधुनिक बनाया जाएगा

बैठक में बताया गया कि मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी. वर्ष 2025-26 में 20, वर्ष 2026-27 में 19 और वर्ष 2027-28 में 42 मंडियों को ईएएनएम मंडियों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है. बैठक में बताया गया कि मंडियों में पारदर्शी नीलामी, अनियमितताओं की रोकथाम, पुराने प्रांगणों को व्यवस्थित करने, अतिक्रमण से संभावित क्षति को रोकने और नवाचार करते हुए दक्षता संवर्धन के प्रयास किए जाएंगे.

सावित्रीबाई ने देश में शुरू किया नया युग

▶ मंडीदीप में मनाई भारत की प्रथम शिक्षिका की जयंती

मंडीदीप, 3 जनवरी. भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की जयंती औद्योगिक नगर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई.

सेवा समिति द्वारा शनिवार को बास्केटबाल मैदान में सवित्री बाई जयंती मनाई गई. भाजपा जिला मंत्री प्रार्थना चौहान, पूर्व जिला मंत्री पूजा मिश्रा, समाजसेवी राधिका पाल, डॉक्टर साधना नागर, शिरोमणि बांके, दीपा नागर, वंदना मालवीय सहित अन्य महिला नेत्रियों ने देश की प्रथम प्रधानाध्यापिका सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस दौरान भाजपा जिला मंत्री प्रार्थना चौहान, पूर्व जिला मंत्री पूजा मिश्रा, समाजसेवी राधिका पाल, डॉक्टर साधना नागर ने कहा कि सावित्रीबाई ने 19वीं सदी में बाल विवाह, छुआछूत और सती प्रथा आदि जैसी सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति के लिए अपने पति के साथ मिलकर संघर्ष किया. सावित्रीबाई फुले को नारी मुक्ति आंदोलन के नेतृत्व का भी गौरव प्राप्त है. सावित्रीबाई फुले ने न केवल महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी, बल्कि भारतीय समाज में जागरूकता का एक नया युग प्रारंभ किया. आज भी उन्हें भारतीय नारीवादी आंदोलन की प्रेरणा के रूप में जाना जाता है. उन्होंने कहा कि कोई भी देश कितना भी प्रगतिशील क्यों न हों अगर महिलाएं सशक्त व सुरक्षित नहीं हैं तो उसकी प्रगति किसी काम की नहीं. वही समाजसेवी राधिका पाल ने कहा कि महिलाएं देश की राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनेता, उद्यमी, अंतरिक्ष यात्री, पायलट, डाक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, घरेलू कामों के अलावा बच्चों के पालन-पोषण के लिए विविध भूमिकाएं निभा सकती हैं. महिलाएं कई जिम्मेदारियां संभाल सकती हैं. लड़कियों की शिक्षा अनिवार्य की जाए.

पुलिस को देख शराब से लदी स्कार्पियो छोड़ भागे

दोराहा 3 जनवरी. बीती रात पुलिस को उस वक्त बड़ी सफलता मिल गई जब चैकिंग के दौरान वहां से गुजर रही स्कार्पियो नहीं रूकी. पुलिस ने उसका काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन अंधेरे का लाभ उठाते हुए स्कार्पियो सवार वाहन वहीं छोड़कर भागे. पुलिस ने अवैध शराब सहित वाहन को जब्त कर लिया है. पुलिस अधिकारियों को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली थी.

एक नजर में

चपड़िया में मनाई सावित्रीबाई फुले की जयंती

बैरसिया, 3 जनवरी. बैरसिया से सात किलोमीटर दूर ग्राम चपड़िया के लवकुश मंदिर में मां सावित्रीबाई फुले की जयंती शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एव पूर्व नपा अध्यक्ष राजमल कुशवाह ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब वे स्कूल जाती थी तो उनका विरोध होता था. आज माता सावित्रीबाई पूरे देश की नायिका हैं. हर जाति वर्ग और धर्म के लिए उन्होंने काम किया. भाजपा नेता कुशवाह ने बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था. इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था. सावित्रीबाई फुले का विवाह 1841 में महात्मा ज्योतिराव फुले से हुआ था. सावित्रीबाई फुले भारत की बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल (भारत की प्रथम महिला शिक्षिका)और पहले किसान स्कूल की संस्थापक रही. उनके पति महात्मा ज्योतिराव को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन के अग्रणी व्यक्ति के रूप में माना जाता है. उन्होंने महिलाओं और अनाथ, दीन-दुखी, गरीब लोगों को शिक्षित करने के प्रयास किए ओर वे ज्योतिबा के नाम से विख्यात हो गए. आगे कुशवाह ने कहा कि सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे. सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और महिलाओं को शिक्षित बनाना. इस अवसर पर अनेक लोगों ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला कार्यक्रम को मुख्य रूप से रामकिशन कुशवाह, विश्राम सिंह, आरामसिंह, पार्षद संजय कुशवाह पार्षद कमलेश कुशवाह सोनू आदि ने संबोधित किया. इस कार्यक्रम में संयोजक समिति के भगवत सिंह कुशवाह हरिशंकर कुशवाह सहित बड़ी संख्या में कुशवाह समाज सहित अन्य ग्रामवासी शामिल रहे.

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा को लिया आड़े हाथ

इटारसी, 3 जनवरी. मप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई 16 मौतों के मामले में भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। शनिवार को इटारसी में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि सरकार की घोर लापरवाही का परिणाम है। पटवारी ने मांग की कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पीड़ति परिवारों से मिलना चाहिए। उन्होंने विजयवर्गीय पर पुलिस के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार कराने का आरोप लगाते हुए इसे निंदनीय बताया और पूरी घटना को विनाशकाले विपरीत बुद्धि करार दिया। जीतू पटवारी ने इन 16 मौतों की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी पूरी तरह भाजपा सरकार की बताते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की। इससे पहले जीतू पटवारी इटारसी के ग्राम भीलाखेड़ी पहुंचे.

नर्मदा परिक्रमा स्वयं के भीतर उतरने की प्रक्रिया : पटेल

▶ 'परिक्रमा कृपा सार' पर जयपुर में आध्यात्मिक संवाद

जयपुर, 3 जनवरी. मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की नर्मदा परिक्रमा पर आधारित पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' पर जयपुर में एक सार्थक, विचारोत्तेजक और आध्यात्मिक संवाद का आयोजन हुआ.

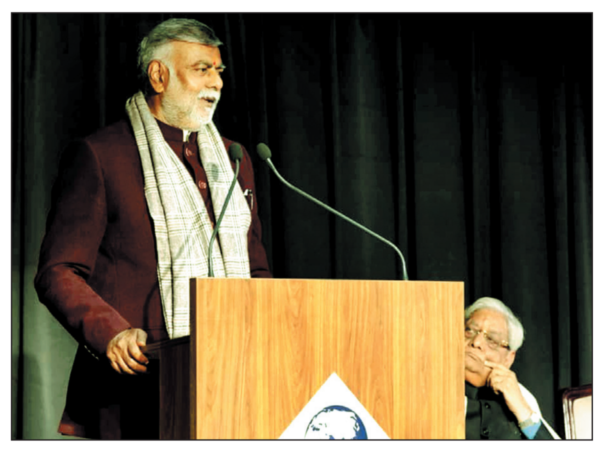

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के गरिमामय परिसर में यह परिचर्चा केवल पुस्तक परिचर्चा या समीक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवन-दर्शन, साधना और समकालीन सामाजिक सरोकारों से जुड़ा एक जीवंत विमर्श बन गया. कार्यक्रम में प्रहलाद सिंह पटेल ने मां नर्मदा की परिक्रमा से जुड़े अपने अनुभवों और आत्मिक यात्राओं का सार साझा किया. उन्होंने बताया कि परिक्रमा केवल नदी की परिक्रमा नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर उतरने की प्रक्रिया है. इसी संदर्भ में उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आध्यात्मिक चेतना व्यक्ति को केवल आस्था नहीं देती, बल्कि उसे कर्म, रोजगार और अवसरों के प्रति सजग और समर्थ भी बनाती है. उनके अनुसार, जब जीवन में उद्देश्य और साधना का संतुलन होता है, तब व्यक्ति स्वयं अपने लिए मार्ग निर्मित करता है.

'परिक्रमा कृपा सार' लेखक के जीवनानुभवों, आत्मिक खोज और श्रद्धा का सघन संकलन है. पुस्तक में मां के प्रति निःशर्त श्रद्धा, गुरु-शक्ति में अडिग विश्वास और मां नर्मदा की कृपा का भावपूर्ण वर्णन है.

उल्लेखनीय है कि पटेल ने मां नर्मदा की परिक्रमा दो बार की है. पहली बार अपने परम गुरु बाबा जी के सान्निध्य में और दूसरी बार सपत्नीक. यात्रा केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि आत्मा की परिक्रमा हैं, जिनके अनुभव इस कृति में साधना और संवेदना के रूप में साकार हुए हैं.

कार्यक्रम की विशेष गरिमा बढ़ाई वरिष्ठ स्तंभकार, लेखक और पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी की उपस्थिति ने. परिचर्चा के दौरान उन्होंने पुस्तक के वैचारिक पक्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि वे लंबे समय से स्त्री तत्व पर चिंतन कर रहे हैं और इस पुस्तक में पौरुष तत्व तथा मां की भूमिका का संतुलित विवेचन उन्हें गहराई से प्रभावित करता है. उन्होंने बाबा जी के वचनों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि पौरुष जागता है तो मानव पारस बन सकता है. यह कथन मानव जीवन के गूढ़ दर्शन को उदघाटित करता है और सृष्टि के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है. पूरे आयोजन के दौरान वातावरण आध्यात्मिक ऊष्मा और वैचारिक गंभीरता से ओतप्रोत रहा.

मादा तेंदुए का शव मिला

शिकार के संदेह में तीन लोग वन अमले की हिरासत में

बेगमगंज, 3 जनवरी. बेगमगंज रेंज की सुनेहरा बीट पीएफ 156 ए में शनिवार की सुबह एक तेंदुए का शव नाले में पड़ा मिला. सूचना मिलने पर डीएफओ प्रतिभा शुक्ला, रेंजर अरविंद अहिरवार, नायब तहसीलदार विक्रम सिंह राजपूत एवं भोपाल से आई जांच टीम सहित वनकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची ओर पंचनामा उपरांत डॉग स्क्वॉड से सर्चिंग कराकर तीन संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है.

क्षेत्र के लोगों के बताए अनुसार बेगमगंज रेंज के तहत सुनहेरा बीट पिछले एक पखबाड़े से एक 4 वर्ष की युवा मादा तेंदुआ आ गई थी, जो आसपास विचरण करते हुए पालतू पशुओं को भी अपना शिकार बना रही थी. उसके आतंक के कारण किसानों ने रात में अपने खेतों पर जाना छोड़ दिया था और ग्राम सुनेहरा, मड़िया, कोलुआ सहित आसपास के 8 गांव के लोगों ने भी रात में घरों से निकलना बंद कर दिया था. दिन में किसान झुंड बनाकर खेतों में जाते थे. डीएफओ प्रतिभा शुक्ला ने बताया शनिवार सुबह सुनेहरा बीट के पास नाले में युवा मादा तेंदुए का शव पड़ा हुआ मिलने पर मौके पर वनविभाग की टीम ने पहुंचकर जांच कराई है और डॉग स्क्वॉड के द्वारा सर्चिंग कराने पर करीब 20 मीटर दूर एक खेत में एक बड़ी खूंटी गड़ी हुई मिली, जिसमें तेंदुए के बाल लगे हुए थे और पास के खेत में भी तीन खूंटी पाई गई.

डॉग स्क्वॉड की सर्चिंग के आधार पर तीन संदिग्ध व्यक्तियों बीरबल पाल पिता दयाली पाल, पीर मोहम्मद पिता हसन खां एवं सलीम खां पिता हसन खां निवासी सुनेहरा के खिलाफ प्रकरण दर्जकर सर्च वारंट जारी करते हुए कार्रवाई की गई है.

युवक की प्रताड़ना से तंग आकर कॉलेज छात्रा ने की खुदकुशी

गुना, 3 जनवरी. शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ईदगाह बाड़ी इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ पीजी कॉलेज में अध्ययनरत बीए सेकंड ईयर की छात्रा ने अज्ञात युवक की प्रताडऩा से तंग आकर मौत को गले लगा लिया.

शनिवार सुबह छात्रा का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों का आरोप है कि एक युवक उसे लगातार फोन और मैसेज कर परेशान कर रहा था, जिससे वह मानसिक तनाव में थी जानकारी के अनुसार, 20 वर्षीय जानकी उर्फ दामिनी कुशवाह शुक्रवार रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने गई थी। शनिवार सुबह जब काफी देर तक वह बाहर नहीं निकली, तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया. अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर परिजन घबरा गए और छत के रास्ते कमरे में झांककर देखा। अंदर का दृश्य देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई; दामिनी दुपट्टे के फंदे पर झूल रही थी। आनन-फानन में दरवाजा तोडक़र उसे नीचे उतारा गया और अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका के भाई और परिजनों ने बताया कि कुछ समय से वह गुमसुम रहने लगी थी। उसने अपनी एक सहेली को भी साझा किया था कि एक युवक उसे बेवजह परेशान कर रहा है। परिजनों को छात्रा के मोबाइल फोन में एक विशेष नंबर से लगातार आने वाले कॉल्स और मैसेज के रिकॉर्ड भी मिले हैं. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोबाइल को जब्त कर लिया है और कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं.

जड़ माहू लगने से गेहूं, मसूर में पीलिया रोग

अशोकनगर. जिले में रवि सीजन की फसलें प्रगति पर है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में इन फसलों में पीलिया रोग देखने को मिला रहा है. जिसकी जानकारी व शिकायतें कृषि अधिकारी एवं विज्ञानिकों के पास पहुंच रही है। तो वहीं फसलों में पीलिया रोग लगने की जानकारी मिलने के बाद कृषि विज्ञानिकों और कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा उक्त गांवो का भ्रमण कर खेतों का निरीक्षण किया गया। जिसमें पाया गया कि गेहूं में जड़ माहू नामक रोग लगा है, तो वहीं मसूर में पोषक तत्व की कमी मिली। जिसके बाद अधिकारियों द्वारा किसानों को दवा छिड़काव करने का सलाह दी है. मुंगावली विकासखंड के ग्राम चिरोली एवं ग्राम सेहराई के कुछ कृषकों के द्वारा गेहूं एवं मसूर में पीलेपन की समस्या के बारे में अवगत कराया था.

138 जगह पाइप लाइनों के लीकेज सुधारे

भोपाल शहर में ओवरहैड व सम्प टैंक की सफाई कार्य जारी

भोपाल, 3 जनवरी. नगर निगम द्वारा शहर के नागरिकों को शुद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य के साथ ही पानी की गुणवत्ता की जांच का कार्य निरंतर जारी है.

निगम अमले द्वारा सी.एम.हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित निराकरण तथा जलप्रदाय की पाइप लाइनों के लीकेज सुधार तथा पानी की टंकियों व सम्प टैंक आदि की सफाई का कार्य भी नियमित रूप से किया जा रहा है. इसी तारतम्य में निगम के जलकार्य विभाग के दलों ने शनिवार को शहर के 258 स्थानों से पेयजल के नमूने लेकर परीक्षण किया गया, जिसमें जल की गुणवत्ता उपयुक्त पाई गई. जलकार्य विभाग के अमले ने 138 स्थानों पर पाइप लाइनों का लीकेज सुधारा गया और टंकियों व सम्प टैंक की सफाई भी की. निगम अमले ने सी.एम. हेल्पलाइन पर जलप्रदाय से संबंधित 13 शिकायतों एवं महापौर हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त 5 शिकायतों का निराकरण भी किया.

नाम परिवर्तन

KAMRAN KHAN S/O KHAWJ BAKSH आयु व्यस्क निवासी: फ्लैट न टी1 बोगदा पुल्ल थर्ड फ्लोर क्लासिक हाइट्स मुकद्दस नगर भोपाल मेरे पासपोर्ट में पहले मेरी पत्नी का नाम SWALEHEEN SHAFI दर्ज था जो की बदल कर मेरी पत्नी का नाम NISHA हो गया है अब मेरे दस्तावज में मेरी पत्नी का नाम यही है अब इसी नाम से जाना व पेहचाना जायगा आगे भविष्य में इसको लेकर कोई वादविवाद होता है तो इसका जिम्मेदार स्वयं में रहूँगा।

नाम परिवर्तन

ABDUL HAMID KHAN S/O ABDUL HAQ आयु व्यस्क निवासी: 170 बैरसिया रोड देवकी नगर भोपाल मेरे पासपोर्ट में पहले मेरा नाम ABDUL HAMID दर्ज था जो की बदल कर मेरा नाम ABDUL HAMID KHAN हो गया है अब मेरे दस्तावेज में मेरा नाम यही है अब इसी नाम से जाना व पेहचाना जायगा आगे भविष्य में इसको लेकर कोई वादविवाद होता है तो इसका जिम्मेदार स्वयं में रहूँगा।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार, श्रीमती जानकी मेहरा पत्नी श्री हरीश कुमार, आयु-वयस्क, निवासी-मकान नम्बर-11, 46, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नारियल खेड़ा, हुजूर भोपाल म.प्र. ने एक कृषि भूमि जिसका खसरा नं.-370/2/1 (S) रकबा 1.0110 हेक्टेयर, अर्थात लगभग 2.50 एकड़ है, जिसकी भू - अधिकार पुस्तिका क्रमांक -CLR-NO 11092277290, है । जो कि ग्राम रायपुर पटवारी हल्का रायपुर तहसील- हुजूर जिला-भोपाल म.प्र. स्थित है, जो कि श्री राहुल एवं श्री रवि पुत्रगण / आत्मजा स्व. श्री श्रीराम व श्रीमती पूजा बाई पुत्री स्व. श्री श्रीराम निवासीगण ग्राम रायपुर, बैरसिया रोड, हुजूर भोपाल म.प्र. के स्वत्व स्वामित्व की भूमि हैं, जिसको विक्रय करने का अनुबंध किया गया है। यह कि उक्त भूमि के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक/वारिसान/उत्तराधिकारी/हित रखने वाले सदस्यों को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति अथवा हित रखता है तो वह प्रकाशन अवधि से 15 दिवस अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है समयावधि पश्चात मेरे पक्षकार अपने पक्ष में उक्त संपत्ति का पंजीयन करा लेवेगें इसके पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

भवदीय
राजेश कुमार शुक्ला (अधिवक्ता)
पता:- शुक्ला लॉ चेम्बर, ओल्ड विधानसभा के सामने, भोपाल (म.प्र.), मो. 9826321533, 9407087163

नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि वर्तमान में मेरे पासपोर्ट एवं बैंक के दस्तावेजों में मेरा नाम श्री गीता अंकित है जबकि मेरा सारे सरकारी दस्तावेजों आधार, वोटर कार्ड में पी श्री गीता अंकित है। भविष्य में मुझे सिर्फ पी श्री गीता (P. SHREE GEETAA) के नाम से जाना जाये एवं नवीन पासपोर्ट एवं अन्य दस्तावेजों मे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। पताः म.नं. 211, टाईप-ए फेस-5 अयोध्या नगर, भोपाल

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद अंसार खान पुत्र श्री मोहम्मद इसरार खान निवासी म.न. 1572. न्यू कॉलोनी जिन्सी जहाँगीराबाद, भोपाल म.प्र. का निवासी हूँ मेरे आधार कार्ड व अन्य सभी दस्तावेज में मेरा नाम मोहम्मद अंसार खान पुत्र मोहम्मद इसरार खान (MOHAMMAD ANSAR KHAN S/o MOHAMMAD ISRAR KHAN) दर्ज है जो कि सही है मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम मो. अंसार खान पुत्र मो. इसरार खान (MOHD ANSAR KHAN S/o MOHD ISRAR KHAN) हो गया है जो कि गलत है मेरे पासपोर्ट में मेरा सही नाम MOHAMMAD ANSAR KHAN S/o MOHAMMAD ISRAR KHAN मोहम्मद अंसार खान पुत्र मोहम्मद इसरार खान दर्ज किया जावे।

सुविधा ▶ ड्रोन एवं भू-स्थानिक इकोसिस्टम में अग्रणी राज्य बना मप्र

प्रदेश में देश की पहली ड्रोन डेटा रिपोजटिरी शुरू

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में देश की पहली राज्य-स्तरीय ड्रोन डेटा रिपोजटिरी (डीडीआर) शुरू की गई है. इससे मध्यप्रदेश भारत के ड्रोन एवं भू-स्थानिक इकोसिस्टम में अग्रणी राज्य बन गया है.

यह पहल प्रदेश में गवर्नेंस को पूर्णतः डिजिटल बनाने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है. यह तकनीक शासन की प्रक्रियाओं को सुगम, सुदृढ़ और पारदर्शी बनाती है. विभागों के बीच ड्रोन-आधारित इंटेलिजेंस को संस्थागत रूप देकर प्रदेश एक अधिक कनेक्टेड, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार प्रशासनिक ढांचे की ओर तेजी से अग्रसर है. डीडीआर का शुभारंभ एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 के अवसर पर किया गया था. इसे राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति 2022 व डीजीसीए के यूएएस नियम 2021 के अनुरूप विकसित किया गया है. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा विकसित यह रिपोजटिरी फ्यूचर-रेडी डिजिटल गवर्नेंस की एक सुदृढ़ आधारशिला सिद्ध होगी. मध्यप्रदेश में ड्रोन तकनीक का प्रभावी एवं व्यापक उपयोग किया जा रहा है. प्रदेश में भूमि सर्वेक्षण, कृषि प्रबंधन, सिंचाई परियोजनाओं, खनन पट्टों की निगरानी, आधारभूत संरचना निर्माण, पर्यावरणीय मूल्यांकन, नगरीय नियोजन तथा आपदा प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में उच्च-रिजॉल्यूशन ड्रोन सर्वेक्षण किए जा रहे हैं. अब तक ड्रोन सर्वेक्षणों से प्राप्त डेटा विभिन्न विभागों में अलग-अलग संकलित होता रहा, जिससे कई स्थानों पर सर्वेक्षणों की पुनरावृत्ति,अपूर्ण डेटा एकत्र होने और कई महत्वपूर्ण इमेजरी व भू-स्थानिक जानकारियों को सुरक्षित रखने की चुनौती सामने आई.

पारस्परिक रूप से सक्षम भू-स्थानिक प्लेटफॉर्म

डीडीआर एक केंद्रीकृत, क्लाउड-आधारित, सुरक्षित और इंटर-ऑपरेबल डिजिटल अवसंरचना है. इससे भू-स्थानिक प्रशासन के भविष्य का आधार तैयार होता है. इसमें उच्च गुणवत्ता वाले ड्रोन डेटा संग्रहित किए जा रहे हैं. इस डेटाबेस में उच्च-रिजॉल्यूशन ऑर्थोमोजाइक, 3डी टेरेन मॉडल, लिडार स्कैन, वीडियो इमेजरी, लिगेसी बेसलाइन डेटा और बहु-विभागीय सर्वेक्षण रिकॉर्ड शामिल किये जाते हैं. हर डेटा फाइल को सटीक लैटिट्यूड-लॉगीट्यूड मेटाडाटा, सर्चेबल की-वर्ड, मानकीकृत तकनीकी फॉर्मेट और स्वचालित वर्गीकरण के साथ रिपोजटिरी में संरक्षित किया जाता है.

डेटा दोहराव में कमी और दक्षता में वृद्धि

प्रदेश में पहली बार सभी विभागों के ड्रोन सर्वे डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर समेकित किया है. इसके परिणामस्वरूप ड्रोन सर्वेक्षणों के दोहराव में 30-50 फीसदी तक कमी आई है. डेटा पारदर्शिता में वृद्धि, विभागीय सहयोग में सुधार,फील्ड-वेरिफिकेशन में सटीकता और निर्णय लेने की गति में अत्यधिक बढ़ोतरी संभव हुई है. अब विभाग स्थान, परियोजना, मेटाडाटा, विषय या उद्देश्य के आधार पर आसानी से आवश्यक भू- स्थानिक डेटा खोज सकते हैं.